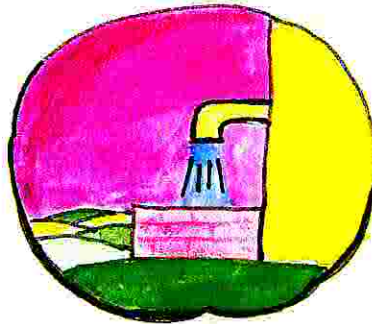


यूनियन ग्रीन कार्ड
किसान का

 यूनियन बैंक
ऑफ इंडिया

सच्चा साथी



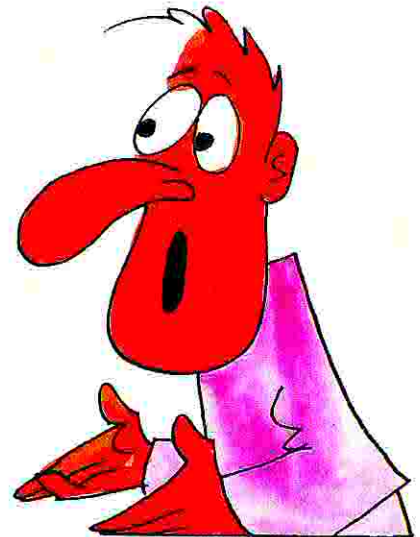
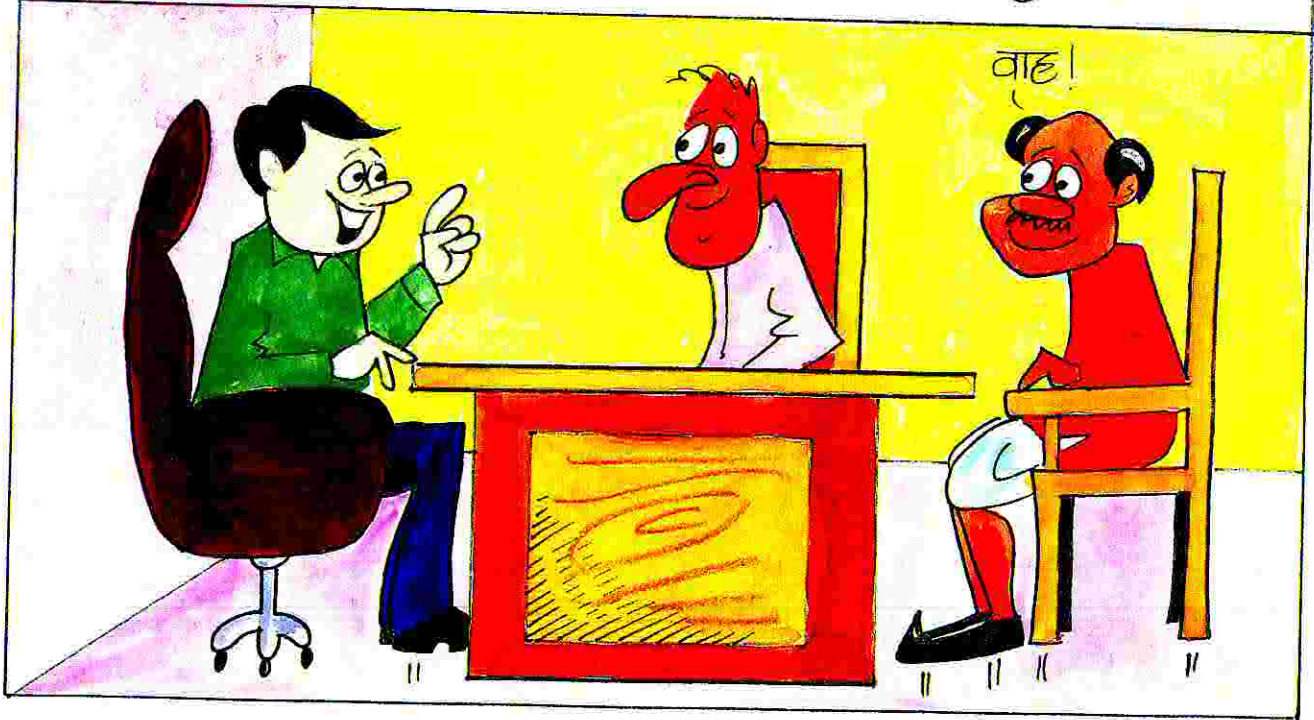
अमल
2016

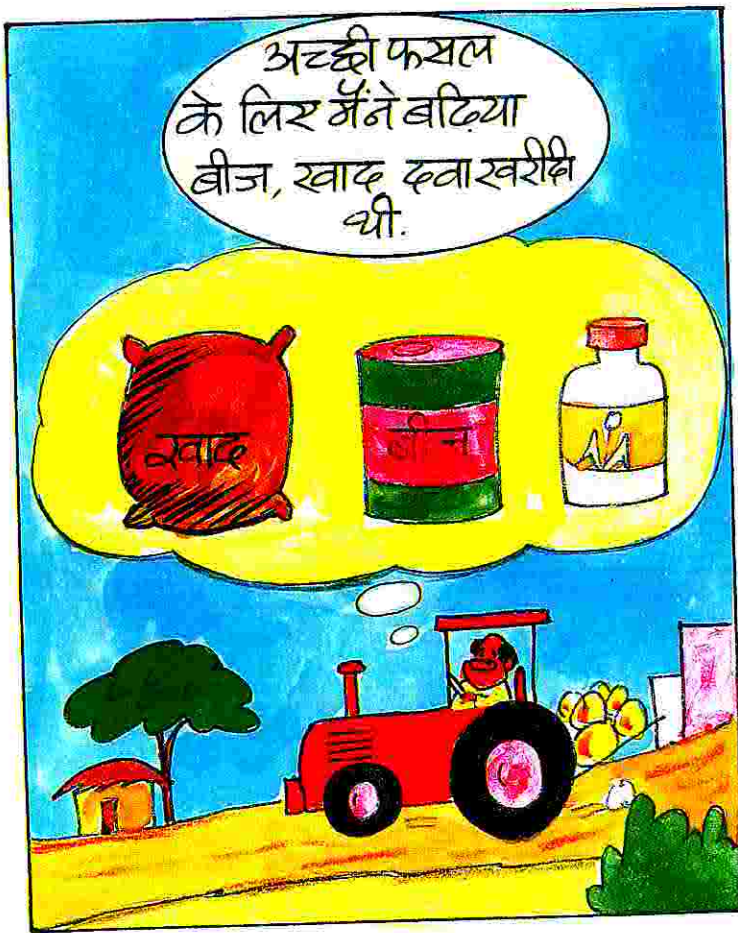


वह तो होती ही थी. यूनियन बैंक के ग्राम ज्ञान केंद्र से सलाह जोली थी.



उन्होंने समझाया था कि उन्नत बीज, समय पर खाद, पानी व
रवा का क्या महत्व है. यह सब इसी का फल है.





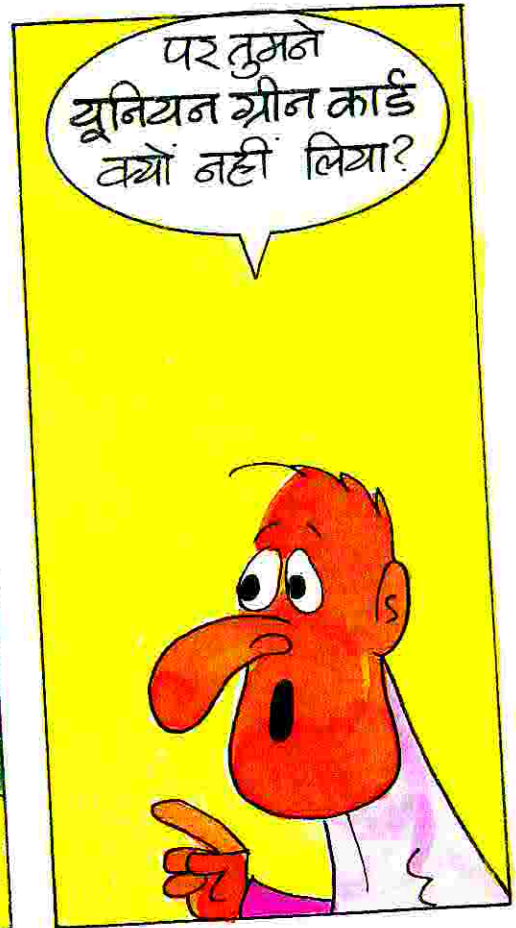


तो और क्या करता?



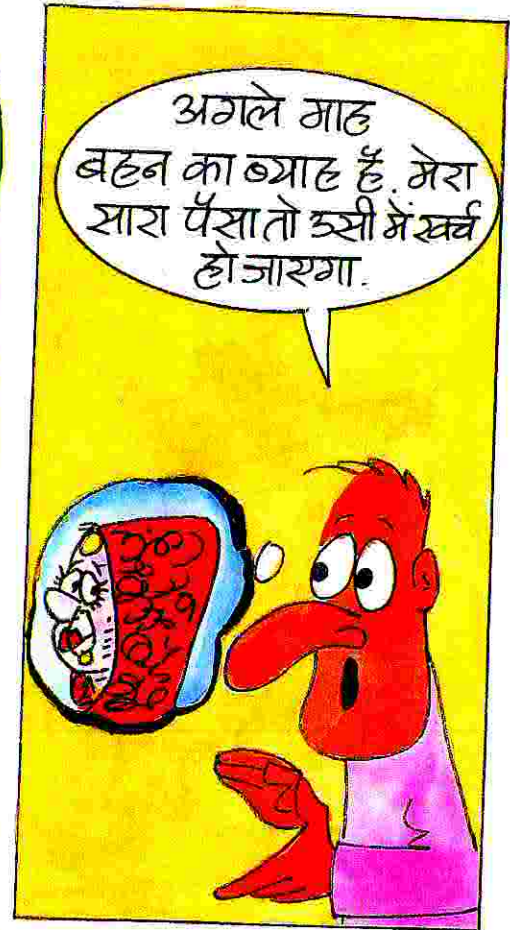
यूनियन ग्रीन कार्ड?











इसके द्वारा किसान खेती के लिए पूरी राशी के लिए ऋण ले सकता है, वह भी बिना किसी मार्जिन राशी के.

वाह!



रामू काका की बीमारी में उनका सारा पैसा खर्च हो गया था. आज बैंक की मदद से उनके खेत फिर से लहलहा रहे हैं.



चंदू काका तुम्हें कितना पैसा चाहिए.



यही कोई एक लाख.



अच्छा, अब तो बैंक ने एक लाख तक के यूनियन ग्रीन कार्ड पर लगाने वाले फाइल प्रोसेसिंग, दस्तावेज और निरीक्षण आदि खर्चे भी माफ कर दिए हैं।

अच्छा!



सच, बैंक गरीब किसानों का कितना खयाल रखता है। मैं कल ही आता हूँ।



कुछ दिन बाद

बीज केन्द्र

अरे ब्रंदु, इस बार बीज नहीं लेने क्या?



बहुत दिनों से नहीं आर. किसानी छोड़ दी क्या?

नहीं नादानी.





आलोक भार्गव द्वारा रेखांकित व यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, केन्द्रीय कार्यालय, मुंबई के ग्रामीण व कृषि कारोबार विकास विभाग द्वारा राजभाषा कार्यान्वयन प्रभाग के समन्वयन से प्रकाशित